

29⁰³/₂₃

पत्रावली पेश इपी। कोरी भी उपालिपर नही
है। वाकी व वाकी वकील के बार-बार
आवाज लगायी गयी। कोरी उपालिपर नही
वाकी व वाकी वकील के वावजूद सूचना के
अनुपालिपर रहने से पत्रावली अफर हाजिरे
अफर पैली में खादिज की जाती है।
पत्रावली के लल शुमार होकर नभर से
कम है। बाद में दावेले दलल है।